कबरों के फितनो (आज़माईश व इम्तिहान) का बयां

मौलाना मुहम्मद इमरान कासमी बिज्ञानवी.

एक हज़ार मुन्तखब हदीसे मिश्कात शरीफ हिन्दी.

बिस्मिल्लाहिर्रहमानिर्रहिम

कबरों के फितनो

१} मिश्कात, हज़रत असमा बिन्ते अबू बकर रदी से रिवायत है. खुलासा- एक मरतबा रसूलुल्लाहﷺ ने खुतबे में कबर के उस आज़माईश व इम्तिहान का ज़िकर फरमाया जिसमें इन्सान मुब्तला होता है, उस ज़िकर से सहाबा किराम (रदी) बहुत ज़ियादा रोने लगे, उनके रोने की वजह से में आपﷺ का कलाम सही तरह समझ नहीं सकी, जब उनकी चीख व पुकार रूक गई तो मेने अपने नज़दीक बैठी हुई एक औरत से पूछा अल्लाह तुझे बरकत अता फरमाए, आपﷺ ने आखिर में क्या फरमाया? उसने कहा कि आपﷺ ने फरमाया मुझे अभी वही के ज़रिए बताया गया है कि तुम कबरों के फितनो में मुब्तला किए जावोगे.

{२} इबने माजा, हज़रत जाबिर (रदी) से रिवायत है.

खुलासा- रसूलुल्लाहﷺ ने फरमाया - जब नेक मय्यित को कबर में दफन कर दिया जाता है तो उसके सामने सूरज के छुपने का मनज़र होता है तो वो उठकर बैठ जाता है, अपनी आँखें मलता है और फरिश्तों से कहता है कि मुझे छोड दो ताकि में नमाज़ पढलूं.

{३} अबू दाउद, हज़रत उस्मान (रदी) से रिवायत है.

खुलासा- रसूलुल्लाहﷺ जब मय्यित के दफन से फारिग हो जाते तो कबर पर खडे होकर फरमाते अपने भाई के लिए मगफिरत और साबित कदमी (जमाव) की दुआ करो, क्योंकि अब इससे सवाल किया जा रहा है.

सबसे ज़ियादा आज़माईशों

{४} तिर्मिज़ी, इबने माजा, हज़रत सअद (रदी) से रिवायत है.

खुलासा- रसूलुल्लाहﷺ से पूछा गया कि सबसे ज़ियादा आज़माईशों से दोचार होने वाले कौन लोग हे? आपﷺ ने फरमाया अम्बिया (अलै) हे, उनके बाद फज़ीलत वाले लोग

हे फिर फज़लीत वाले लोगो मे से हर आदमी को उसके ईमान के लिहाज़ से आज़माईश मे मुब्तला किया जाता हे. अगर वो दीन के मामलात मे सखत पाबन्द हे तो उसके लिए आज़माईश भी सख्त हे, और अगर वो दीन के मामलात मे कमज़ोर हे तो उसके लिए आज़माईश भी मामूली हे, इसी तरह वो आज़माईश मे मुब्तला रहता हे यहा तक कि वो गुनाहो से पाक होकर ज़मीन पर चलने फिरने लगता हे.

मुसीबतो की सख्ती

{५} तिर्मिज़ी-इबने माजा, हज़रत अनस (रदी) से रिवायत है. खुलासा- रसूलुल्लाहﷺ ने फरमाया - सवाब की अधिकता का ताल्लुक मुसीबतो की सख्ती से हे, बेशक अल्लाह तआला जब किसी जमाअत को महबूब जानते हे तो उसे आज़माईशों मे डालते हे, फिर जो आदमी आजमाईश पर राज़ी रहे उसको अल्लाह तआला की रज़ा हासिल होती हे और जिस आदमी ने रोने-पीटने का इज़हार किया तो उस पर अल्लाह तआला की नाराज़गी होती हे.

{६} तिर्मिज़ी, हज़रत अबू हुरैरह (रदी) से रिवायत है.

खुलासा- रसूलुल्लाहﷺ ने फरमाया - मोमिन मर्द और मोमिना औरत के जिस्म, उसके माल और उसकी औलाद पर बराबर मुसीबतें नाज़िल होती रहती हे यहा तक कि जब उसकी मुलाकात अल्लाह तआला से होती हे तो वह गुनाहो से पाक व साफ होता हे.